RPF SI & CONSTABLE 2024

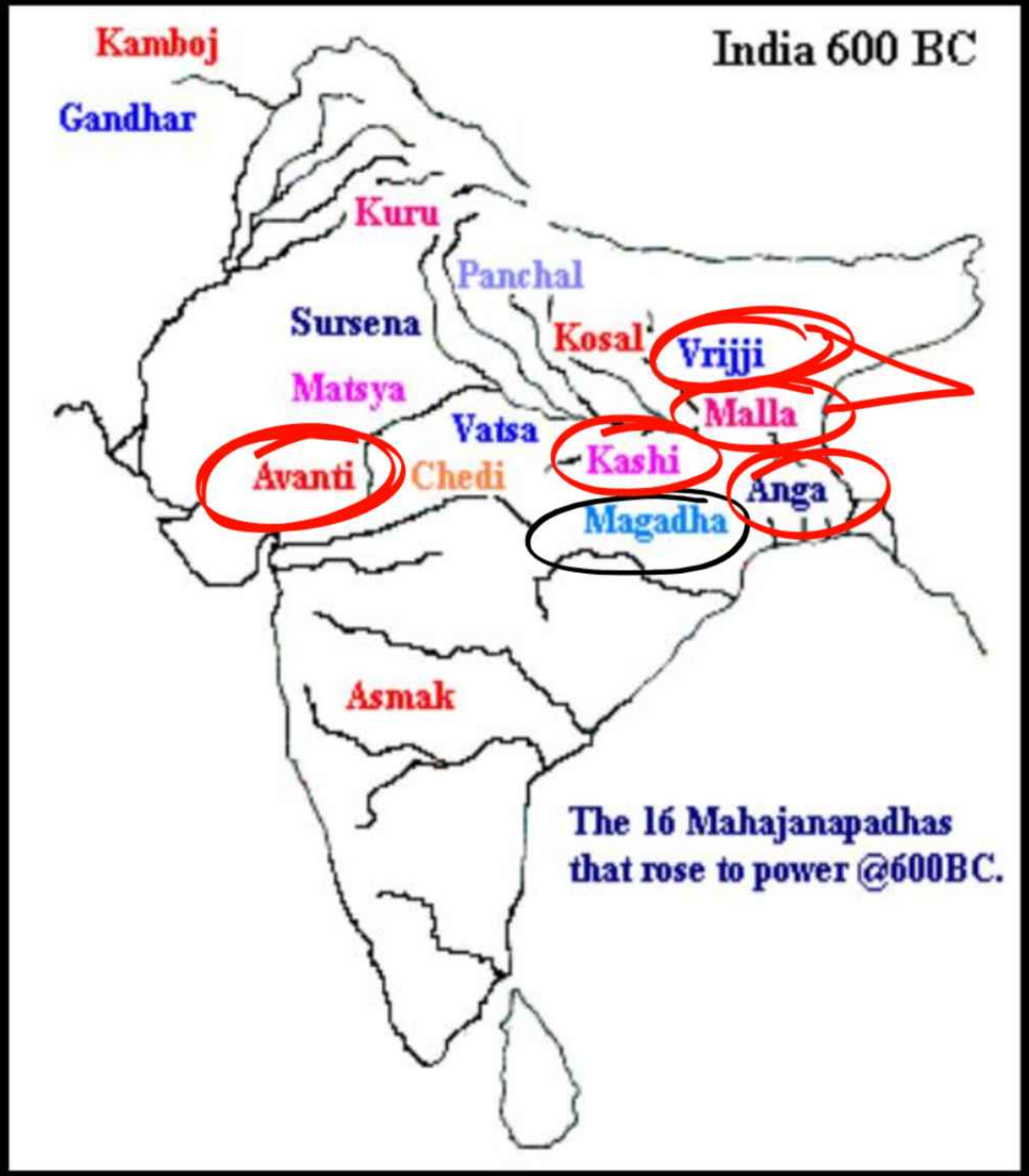
रेल रक्षक बैच

HISTORY

मगध साम्राज्य



LIVE STREAMING 21-05-2024 4PM


India 600 BC
Kamboj
Gandhar
Kuru
Panchal
Sursena
Kosal
Vrijji
Matsya
Malla
Vatsa
Kashi
Avanti
Chedi
Anga
Magadha
Asmak
The 16 Mahajanapadhas
that rose to power @600BC.

मगध साम्राज्य MAGADHA EMPIRE

★ मगध सबसे शक्तिशाली महाजनपद रहा।

Magadha remained the most powerful Mahajanapada.

↳ मगध से पहले शक्तिशाली काशी था

Kashi was powerful before Magadha

★ ''मगध'' की वर्तमान स्थिति – पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार एवं पं0 बंगाल।

Present status of "Magadha" - Eastern Uttar Pradesh, Bihar and West Bengal.

★ ''मगध'' साम्राज्य'' का उत्कर्ष 6वीं शताब्दी ई0पू0 माना जाता है।

The zenith of the "Magadha" empire is considered to be in the 6th century BC.

★ ''मगध'' साम्राज्य'' : (544 BC – 185 BC)

"MAGADH" EMPIRE" : (544BC-185BC)

★ "मगध" साम्राज्य पर शासन करने वाले वंश

Dynasty that ruled the "Magadha" kingdom -

- **H** – हर्यक वंश
  Haryanka dynasty
- **S** – शिशुनाग वंश
  Shishunag Lineage
- **N** – नंद वंश
  Nanda dynasty
- **M** – मौर्य वंश
  Maurya dynasty

★ "प्राचीन" मगध साम्राज्य के संस्थापक – "बृहद्रथ" (महाभारत कालीन) **Founder of the "ancient" Magadha Empire - "Brihadratha" (Mahabharata period)**

↓ पुत्र

जरासंध **Jarasandha**

राजधानी : गिरिब्रज **Capital Giribraj**

★ मगध साम्राज्य का पहला उल्लेख "अथर्ववेद" से मिलता है।

The first mention of the Magadha Empire comes from "Atharvveda".

हर्यक वंश (544BC – 412 BC)

★ संस्थापक : बिम्बिसार (544BC-492BC)

Founder: Bimbisara (544BC-492BC)

- अन्य नाम : श्रेणिक **Other Names : Shrenik**
  - जैन साहित्य
  - अन्य नाम – क्षेत्रोजश **Kshetrojash**
    - मत्स्य पुराण से
- भारत के इतिहास का सबसे बड़ा शासनकाल।
  The biggest reign in the history of India.
- 52 वर्षों तक **up to 52 years**

★ बिम्बिसार ने राज्य विस्तृत करने के लिए विवाह सम्बंधो का सहारा लिया।
Bimbisara took the support of marriage relations to expand the kingdom.

- महाकोशला : (कोशल नरेश प्रसेनजीत की बहन) = काशी दहेज
  Mahakoshala: (Sister of Kosala king Prasenjit) = Kashi dowry
  → दहेज का पहला उदाहरण
- चेलना : (चेटक की पुत्री) **Chelna: (Daughter of Chetak)**
- क्षेमा : (भद्र प्रदेश की राजकुमारी)
  Kshema: (Princess of Bhadra Pradesh)

लगभग 1 लाख राजस्व (Revenue)

चम्पा

★ बिम्बिसार ने "अंग" महाजनपद जीता और वहाँ अपने पुत्र "अजातशत्रु" को उपराजा बनाया।
Bimbisara won the "Anga" Mahajanapada and made his son "Ajatashatru" the sub-king there.

⇒ बिंबसार
↳ राजवैद्य जीवक ⇒ जीवक सेवा करने के लिए < महात्मा बुद्ध
चण्ड प्रद्योत

बिंबिसार ⇒ साम्राज्य
विस्तार ⇒ वैवाहिक - (1) महाकोशला ⇒ दहेज ⇒ काशी

अंग महाजनपद ⇒ चंपा
↳ उपराजा ⇒ अजातशत्रु

★ बिम्बिसार प्रारम्भ में "बौद्ध धर्म" का अनुयायी था परन्तु अपनी पत्नी "चेलना" के कहने पर "जैन धर्म" को अपना लिया।
Initially, Bimbisara was a follower of "Buddhism" but at the behest of his wife "Chelna" he adopted "Jainism".

★ राजधानी : राजगृह **Capital: Rajgriha**

★ बिम्बिसार ने अपने ज्येष्ठ पुत्र "दर्शक" को उत्तराधिकारी बनाया।
Bimbisara made his eldest son "Darshak" the successor.

★ परंतु अजातशत्रु ने अपने पिता बिम्बिसार की हत्या कर गद्दी पर बैठा।
But Ajatashatru killed his father Bimbisara and sat on the throne.

मगध
↓
राज० → गिरिव्रज
↓
राजगृह

★ पिता की हत्या करने के कारण अजातशत्रु को पितृहंता कहा गया।
Ajatshatru was called Pitruhanta because of killing his father.

★ अजातशत्रु की भी इसके पुत्र उदयन के द्वारा हत्या कर दी गयी।
Ajatashatru was also killed by his son Udayana.

★ इस प्रकार से "हर्यक वंश को "पितृहंता" वंश भी कहा गया।
In this way, "Haryak" dynasty was also called "Pitruhanta" dynasty.

बिंबिसार → हत्या → अजातशत्रु
↓
की हत्या → उदयन

अजातशत्रु (492BC-460BC)

★ अन्य : कुणिक (पितृहंता) Others: Kunik (Patriarchy)

★ माता : महाकोशला Mother : Mahakoshala

★ (483BC) – प्रथम बौद्ध संगीति – सप्तपर्णि (राजगृह) – (महाकश्यप) अध्यक्ष → 2m/p.
(483BC) - First Buddhist Council - Saptaparni (Rajagriha) - (Mahakashyap) President

★ काशी के लिए प्रसेनजीत से संघर्ष हुआ एवं विजयी हुआ और बाजिरा से विवाह से विवाह हुआ जो कि प्रसेनजीत की पुत्री थी।
There was a struggle with Prasenjit for Kashi and won and married Bajira, who was the daughter of Prasenjit.

★ इसके बाद वज्जि और मल्ल संघ को हराया।
After this Vajji and Malla Sangha were defeated.



अजातशत्रु → वार्ज्जि, मल्ल

अन्य नाम - कूणिक (पितृहंता)

पिता → बिंबिसार

माता → महाकोशला

अजातशत्रु ✓ Vs प्रसेनजीत (संघर्ष) ✗

का → काशी

विवाह → वाजिरा

↓

प्रसेनजीत की पुत्री

★ अजातशत्रु जैन धर्म का अनुयायी था।
Ajatashatru was a follower of Jainism.

★ महावीर स्वामी व महात्मा बुद्ध की मृत्यु इसी के शासनकाल में हुयी।
Mahavir Swami and Mahatma Buddha died during his reign.

↳ Imp.

मगध (हर्यक वंश)
↳ बिंबिसार
↓
अजातशत्रु

उदायिन (460BC-444BC) ↳ द्वितीय (second) ⇒ पितृहंता

★ द्वितीय पितृहंता **Second Patriarchy**

★ पाटलिपुत्र नगर की स्थापना की : (गंगा, गण्डक व सोन नदी पर)
Pataliputra city established: (on the Ganges, Gandak and Son rivers)

- कुसुमपुरा के नाम से भी जाना जाता था। (राजधानी बनाया)
  It was also known as Kusumpura. (capitalized)

★ उदायिन के (3) पुत्र थे जो क्रम से शासन किया।
Udayin had (3) sons who ruled in succession.

1. अनिरुद्ध **Aniruddha**
2. मुंडा **Munda**
3. नागदशक **Nagdashak** → शिशु.

★ नागदशक 'हर्यक वंश' का अंतिम शासक था।
Nagdasaka was the last ruler of the 'Haryak dynasty'.

★ जिसकी हत्या उसका मंत्री शिशुनाग ने कर दी!
Whose murder was done by his minister Shishunag!

मगध
⇓
राज० ⇒ गिरिव्रज
⇓
राजगृह
⇓
पाटलिपुत्र

H S N M S K S

↓ ↓

X शिशुनाग

शिशुनाग वंश (412–344)

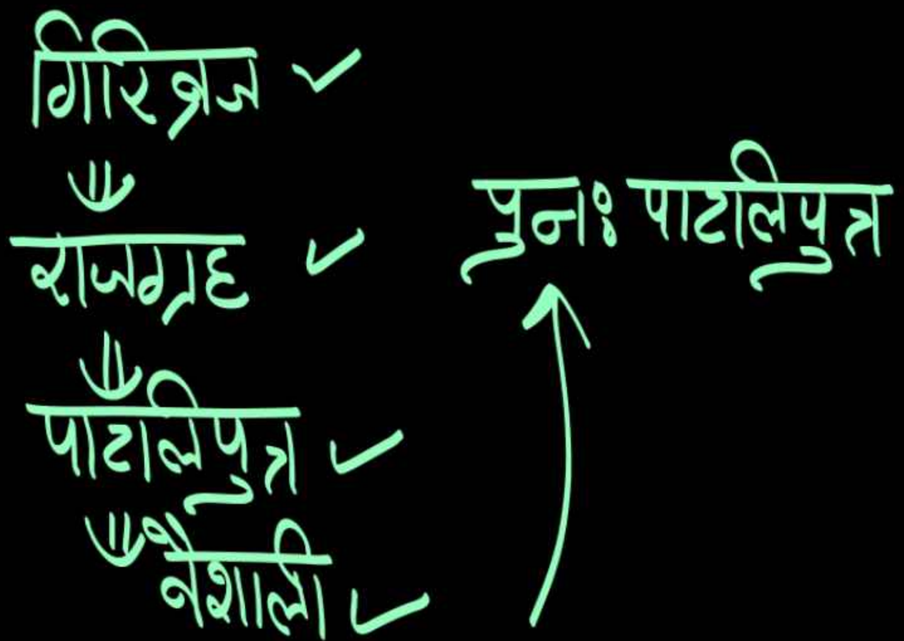
★ संस्थापक : शिशुनाग (412BC-394BC)

Founder: Shishunag (412BC-394BC)

↳ राजधानी : वैशाली **Capital : Vaishali**

★ शिशुनाग ने "अवन्ति" को जीता (प्रद्योत को पराजित कर)

Shishunaga won "Avanti" (by defeating Pradyota)



कालाशोक (394–366 BC) / काकवर्ण

- द्वितीय बौद्ध संगीति – 383 BC – वैशाली – साबकमीर (अध्यक्ष)

Second Buddhist Council - 383 BC - Vaishali - Sabkamir (President)

- कालाशोक ने पुनः पाटलिपुत्र को अपनी राजधानी बनायी।

Kalashoka again made Pataliputra his capital.

- इसके दस पुत्रों में एक नंदिवर्धन अंतिम शासक हुआ।

One of his ten sons, Nandivardhana, became the last ruler.

- नंदिवर्धन की हत्या महापद्मनंद ने "छूरा घोंप कर" कर दी।

Nandivardhan was killed by Mahapadmanand "by stabbing".

- महापद्मनंद ने नए वंश "नंद वंश" की स्थापना की।

Mahapadamnand established a new dynasty "Nanda dynasty".

नंद वंश (344BC-323BC)

★ संस्थापक : महापद्मनंद (अन्य नाम : उग्रसेन / एकराट / सर्वक्षांतक / परशुराम का 2nd अवतार) अपरोपरशुराम / भार्गव

Founder : Mahapadmananda (Other names : Ugrasena / Ekrat / Sarvakshantak / 2nd incarnation of Parshuram) Aproprshuram / Bhargav

★ इनके समकालीन "पाणिनी" था।

His contemporary was "Panini".

धनानंद → की हत्या चंद्रगुप्त मौर्य ने की और नये वंश मौर्य साम्राज्य की स्थापना की, चाणक्य के सहयोग से।

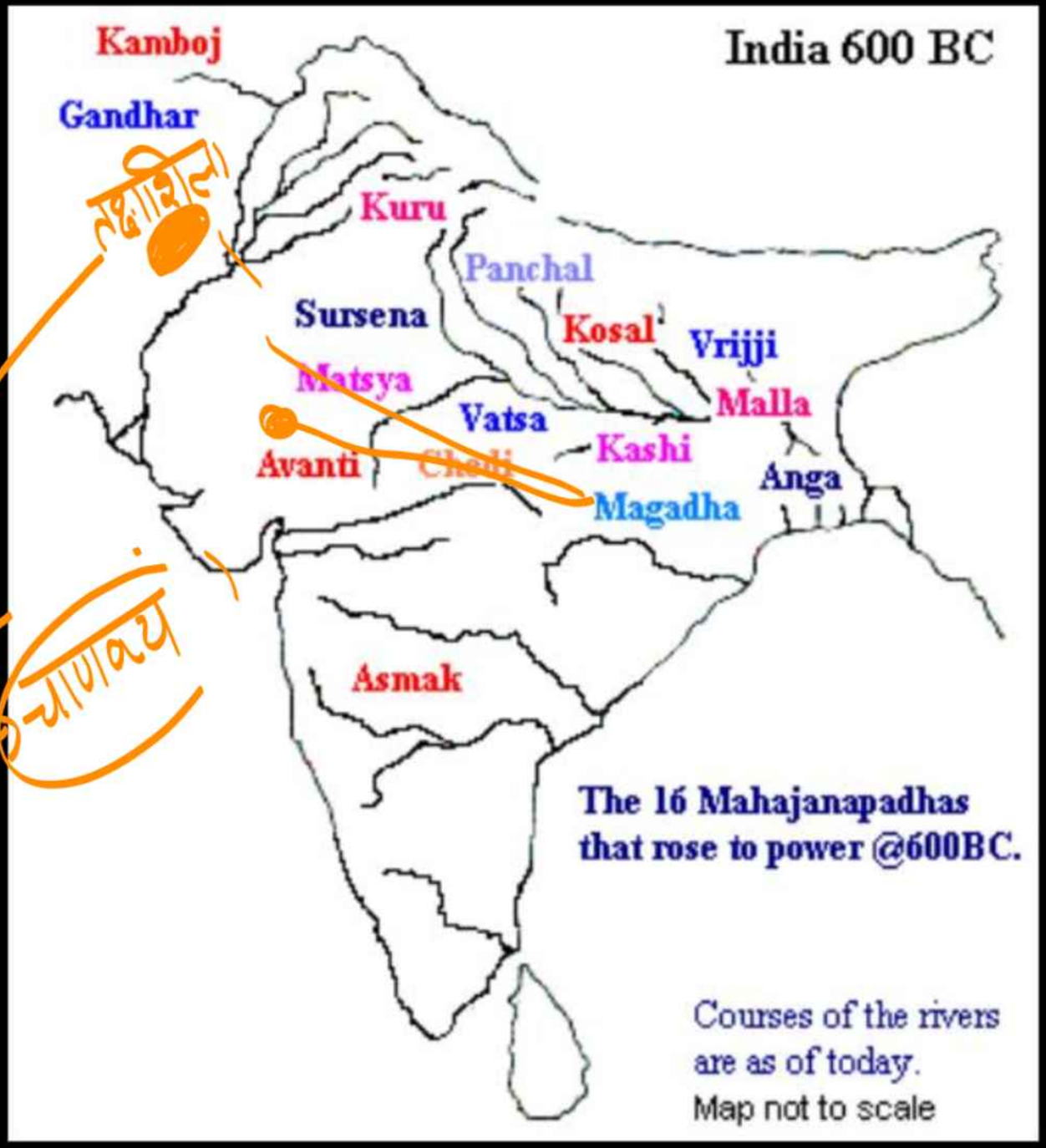
★ इसे अग्रमीज नाम से भी जाना जाता है।

It is also known as Agrameez.

★ सिकंदर का आक्रमण (326BC) इसी के शासनकाल में हुआ।

Alexander's invasion (326BC) took place during his reign.

- ★ वररूचि विद्वान varruchi scholar
- ★ कात्यायन विद्वान Katyayan scholar
- ★ तीन ग्रन्थों को – मुनित्रय कहते है। The three texts are called - Munitraya.
- ★ महाभाष्य – पतंजलि Mahabhashya - Patanjali
- ★ वर्तिका – कात्यायन Vartika - Katyayan
- ★ अष्टाध्यायी – पाणिनी Ashtadhyayi - Panini


India 600 BC
Kamboj
Gandhar
Kuru
Panchal
Sursena
Kosal
Vrijji
Matsya
Malla
Vatsa
Kashi
Avanti
Chedi
Anga
Magadha
Asmak
The 16 Mahajanapadhas
that rose to power @600BC.
Courses of the rivers
are as of today.
Map not to scale